AKTI

AME-CHANDNI SAHU

LASS-B.ED (FIRST)

ESSION-2019-20

OPIC – COMMUNICATION

UIDE BY

UBMITTED BY

NAY PRATAP SIR

षण =>

ा :-

*प्रस्तावना

*संप्रेषण का अर्थ

*संप्रेषण की परिभाषा

*संप्रेषण की विशेषताएं

*संप्रेषण का सिध्दांत

*संप्रेषण का तत्व

*निष्कर्ष

*संदर्भ ग्रंथ

नावना :-

सम्प्रेषण एक तकनीकी शब्द है संप्रेषण को
मान्यतः विचारों के आदान-प्रदान से लिया जाता है।
त्येक व्यक्ति अपने विचारों को दूसरे व्यक्ति तक पहुंचाने के
ए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग करते हैं जिसमें शाब्दिक एवं
ाब्दिक दोनों ही रुप सम्मिलित होते हैं।

षण का अर्थ :-

सम्प्रेषण अंग्रेजी भाषा के COMMUNICATION शब्द
लकर बना है, इसे लैटिन भाषा में COMMUNIS शब्द से हुअ
जिसका अर्थ है परस्पर आदान-प्रदान करना।
षण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने ज्ञान, हाव-भा
ाप्त विचारों व संदेशों को सामान तथा सही अर्थों में समझने
प्रेषण करने में उपयोग करते हैं

षण की परिभाषा :-

वे टिड के अनुसार-“एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को भावनाएँ
ार पहुंचाते हैं।”

के अनुसार – “एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को विचार भावना
ाते हैं या जानने समझने में सहायक होते हैं।”

ाण की विशेषताएं :-

म्प्रेषण की निम्न विशेषताएं हैं –

त्रोत और श्रोता के बीच विचारों का आदान-प्रदान करना।

त्रोत और श्रोता के बीच पारस्परिक संबंध करता हैं।

त्रोत और श्रोता के बीच द्विपक्षीय प्रक्रिया होती है।

ह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से होता हैं।

ंप्रेषण एक गतिशील प्रक्रिया हैं।

ंप्रेषण एक उद्देश्य युक्त प्रक्रिया है।

ंप्रेषण सूचना प्रदान करना मात्र नहीं हैं।

षण के सिध्दांत :-

संदेश की स्पष्टता

संदेश की पर्याप्तता

संदेश की अवरोधकता की प्राप्ति

संदेश का एकरूपता

संदेश का प्रसारण

संदेश का समयानुकूलता

संदेश की स्वीकृति एवं अभिरुचि

संदेश की सतत्ता या निरंतरता

प्रेषक का श्रोता होना

षण के तत्व:-

स्त्रोत

लिपी

संदेश

माध्यम

साधन

संदेश प्राप्तकर्ता

व्याख्या

प्रतिक्रिया

पृष्ठ पोषण

, विकृति

निष्कर्ष :-

सम्प्रेषण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने हाव-भाव, ज्ञान, मुख-मुद्रा, तथा विचारों आदि का परस्पर आदान-प्रदान करते हैं तथा इस प्रकार से प्राप्त विचारों अथवा संदेशों को समान तथा सही अर्थों में समझने और प्रेषण करने में उपयोग करते हैं।

संदर्भ ग्रंथ :-

शैक्षिक तकनीकी “डॉ. ए. वी. भटनागर”

भाषा प्रवणता “डॉ. अनुराग भटनागर”

धन्यवाद

THANK YOU